समाज और संत के बीच लोक कल्याण हेतु सेतु बननेवाला महापुण्य का भागी होता है।

संत श्री आशारामजी आश्रम द्वारा प्रकाशित

मूल्य : रु. ३.५०/-

लोक कल्याण सेतु

• १५ मई २०१२ • वर्ष : १५
• अंक : ११ (निरंतर अंक : १७९)

मासिक समाचार पत्र

गुरुपूर्णिमा विशेषांक

सद्गुरु पूर्ण होते हैं इसीलिए उनकी पूर्णिमा मनायी जाती है। दीक्षा के दिन से वे शिष्य के अंतःकरण में निवास करते हैं। वे एक ऐसे माली हैं जो जीवनरूपी बगिया को हरा-भरा एवं महकता कर देते हैं। वे भेद में अभेद के दर्शन करने की युक्ति सिखाते हैं।

पूज्य संत
श्री आशारामजी बापू

सेवा एवं संस्कार की धारा : बापूजी के 'बाल संस्कार केन्द्र'

रायपुर (छ.ग.) तथा सिधौली, जि.सीतापुर (उ.प्र.) में अवतरण दिवस पर भोजन-प्रसाद, छाछ एवं जल वितरण।

पुणे में बाल मंडल एवं युवा सेवा संघ द्वारा व्यसनमुक्ति यात्रा तथा नाशिक (महा.) में सेवाकार्य।

उत्तरी दिल्ली में विद्यार्थी उज्ज्वल भविष्य निर्माण शिविर तथा चंडीगढ़ में सुवाक्ययुक्त नोटबुक-वितरण।

संत श्री आशारामजी आश्रम द्वारा संचालित

आश्रम मंगलमय संदेश सेवा

पूज्य बापूजी का संदेश आपके फोन पर

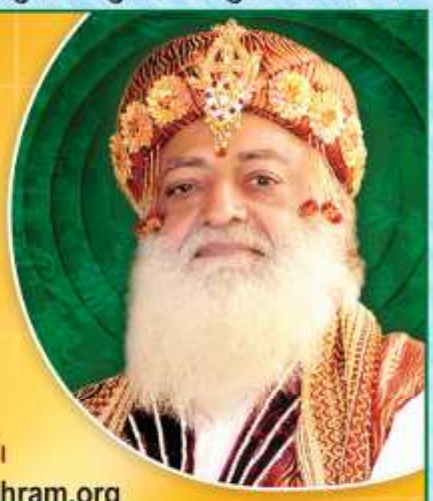

विशेषताएँ

नित्य प्रातः पूज्यश्री के अमृतवचन, आगामी सत्संग कार्यक्रम, पूनम दर्शन, महत्त्वपूर्ण वार-त्यौहार, व्रत-तिथि, स्वास्थ्य, साधना संबंधी विशेष जानकारी, आश्रम द्वारा समय-समय पर प्रसारित विशेष सूचनाएँ आदि पाइये।

SMS सेवा मोबाइल फोन पर Text msg (लिखित संदेश)

फोन अमृतवाणी सेवा मोबाइल एवं लैंड लाइन फोन पर VOICE Call द्वारा

MISSED Call सेवा यदि आप साधक हैं या आश्रम से जुड़े हैं तो रजिस्ट्रेशन हेतु मोबाइल या लैंड लाइन से 0120-3896282 पर MISS Call करें।

काउंटर से कूपन प्राप्त कर निर्देशानुसार सेवा शुरू करें। इंटरनेट से सेवा शुरू करने के लिए phonesewa.ashram.org

अब आप ये सेवायें इंटरनेट से Credit, Debit, Cash या ATM Card या Net Banking द्वारा शुल्क जमा कराकर भी ले सकते हैं।

हेल्पलाइन – 0120-3896280 (24 घंटे 365 दिन)
09312337987, 079-39877733 (9am-6pm)

मन-मंदिर में होती है महापूजा

(गुरुपूर्णिमा महापर्व पर विशेष)

पूजा का मुख्य उद्देश्य भावों का उदात्तीकरण और अपनी अंतरंग यात्रा है। इष्ट के बाह्य स्वरूप का स्मरण-चिंतन करते-करते उनके वास्तविक स्वरूप में चित्त को टिकाकर अंतरात्मा में विश्राम पाना है। इस रहस्य को जाननेवाले ब्रह्मज्ञानी महापुरुष पूज्य बापूजी बाह्य उपचारोंवाली पूजा से भी अधिक लाभ देनेवाली और स्थूल सामग्रियों की आवश्यकता न रहने के कारण अमीर-गरीब हर किसीके लिए सहज-सुलभ ऐसी मानस-पूजारूपी अंतरंग साधना पर विशेष जोर देते हैं। गुरुपूर्णिमा महापर्व की महिमा व उसमें मानस-पूजा का महत्त्व तथा विधि बताते हुए व्यासस्वरूप सद्गुरु पूज्य बापूजी कहते हैं : ''गुरुपूर्णिमा अर्थात् गुरु के पूजन का पर्व। किंतु आज सब लोग अगर गुरु को नहलाने लग जायें, तिलक करने लग जायें, हार पहनाने लग जायें तो यह सम्भव नहीं है। लेकिन षोडशोपचार की पूजा से भी अधिक फल देनेवाली मानस-पूजा करने से तो भाई ! स्वयं गुरु भी नहीं रोक सकते, मानस-पूजा... **(शेष भाग पढ़ने हेतु देखें लोक कल्याण सेतु, अंक : १७९, मई २०१२)**

'एक शूल जो मैं कभी भूल नहीं सका'

– एक इतिहासप्रसिद्ध चिरंजीवी के हृदय की व्यथा

(गुरु-शिष्य परम्परा का कारुणिक आख्यान)

लंकायुद्ध में भगवान श्रीराम को नागपाश में बँधे देखकर गरुड़जी को शंका के कारण अशांति हो गयी। काकभुशुंडिजी ने जब सत्संग देकर उनकी अशांति दूर की तब गरुड़जी ने उनसे प्रश्न किया : ''हे प्रभो ! आप सब कुछ जाननेवाले हैं, तत्त्व के ज्ञाता, माया से परे, ज्ञान, वैराग्य और विज्ञान के धाम हैं। फिर भी आपने यह काक-शरीर क्यों पाया है ?''

काकभुशुंडिजी अपने पूर्वजन्म की कथा बताते हुए बोले : ''हे गरुड़ ! कलिकाल में बहुत वर्ष पहले मैं अयोध्या में... **(शेष भाग पढ़ने हेतु देखें लोक कल्याण सेतु, अंक : १७९, मई २०१२)**

कैसी विलक्षण व्यवस्था !

परमहंस योगानंद के बचपन का नाम मुकुंद था। एक बार मुकुंद अपने गुरुभाई जितेन्द्र के साथ बड़े भाई अनंत के घर आगरा गये। अनंत ने मुकुंद की ईश्वरनिष्ठा पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए कहा : ''बातें करना आसान है। यदि तुम्हें भोजन व आश्रय के लिए ईश्वर के आश्रित रहना पड़े तो तुम्हारी क्या हालत होगी ! शीघ्र ही तुम सड़कों पर भीख माँगते फिरोगे।''

गुरु युक्तेश्वर गिरि के ईश्वरपरायण शिष्य मुकुंद ने उत्तर दिया : ''कदापि नहीं ! ईश्वर को छोड़कर किसी पथिक से कोई आशा मैं कदापि नहीं करता। भगवान अपने भक्त के लिए भिक्षापात्र के अलावा भी हजार अन्य उपाय कर सकते हैं।''

''यदि मैं कहूँ कि तुम जिस तत्त्वज्ञान के बारे में इतनी डींग मार रहे हो, उसे इस मूर्त जगत में आजमाया जाय तो ?''

''तो मैं तुरंत स्वीकार कर लूँगा। आप क्या ईश्वर को कल्पना जगत तक ही सीमित मानते हैं ?''

अनंत ने शर्त रखी कि ''तुम अपने गुरुभाई जितेन्द्र के साथ आज सुबह ही वृंदावन जाओ परंतु तुम दोनों अपने साथ रुपये-पैसे कुछ भी नहीं ले जाओगे, किसीसे किसी भी प्रकार की भिक्षा नहीं माँगोगे और किसीको अपनी परिस्थिति के बारे में बताओगे भी नहीं। साथ ही बिना फँसे, बिना भूखे रहे रात को बारह बजे तक लौट आओगे। यदि तुम इसमें सफल हो गये तो... **(शेष भाग पढ़ने हेतु देखें लोक कल्याण सेतु, अंक : १७९, मई २०१२)**

पूर्ण गुरु के शिष्य के लिए क्या असम्भव है !

गोरखनाथजी को भी अपनी विद्या के प्रदर्शन की इच्छा हुई। वे कानिफनाथजी से बोले : ''आपने तो मेरा आतिथ्य कर लिया, अब मेरी तरफ से भी कुछ स्वीकार कीजिये। मैं थोड़े-से फल मँगाता हूँ, उनका आप सेवन करें।''

गोरखनाथजी ने भी भाँति-भाँति के फल उपस्थित कर दिये। दोनों ने उन्हें बड़े प्रेम से खाया परंतु बहुत-से फल बच गये।

गोरखनाथजी ने कानिफनाथजी से कहा : ''इन बचे हुए फलों को आप उन्हीं पौधों पर लटका दीजिये जहाँ से ये आये हैं।''

कानिफनाथजी बोले : ''टूटे हुए फलों को दुबारा पौधों पर लटकाना... **(शेष भाग पढ़ने हेतु देखें लोक कल्याण सेतु, अंक : १७९, मई २०१२)**

चॉकलेट के दुष्परिणाम

चॉकलेट हृदय, मस्तिष्क, मन व बुद्धि पर विपरीत प्रभाव डालता है। इसका सेवन कई घातक बीमारियों का कारण है। इसमें पाये जानेवाले हानिकारक तत्त्व हैं :

(१) **कैफीन :** व्यक्ति को चॉकलेट खाने के अधीन करता है। इससे चित्त अधिक विचलित होता है। नींद बिगड़ती है। सिरदर्द व आँतों के विकार उत्पन्न होते हैं। हृदय, रक्त-संचरण, ग्रंथियों से संबंधित तकलीफें, तंत्रिका-विकार, अस्थि-भंगुरता (osteoporosis), महिलाओं में प्रसव-संबंधी तकलीफें तथा अन्य रोग होते हैं।... **(शेष भाग पढ़ने हेतु देखें लोक कल्याण सेतु, अंक : १७९, मई २०१२)**

तुलसी गोली के लाभ

यह तुलसी के बीज, सोंठ, काली मिर्च, पीपर आदि दिव्य औषधियों से युक्त होने से सभीके लिए लाभदायी है। इसमें निहित द्रव्यों के गुण-धर्म :

(१) **सोंठ :** जठराग्निवर्धक, आमपाचक, रुचिकर, मलनिस्सारक, कफवातशामक, वीर्यवर्धक व हृदय के लिए बलदायक है।

(२) **काली मिर्च** : अग्नि-उद्दीपक, यकृतोत्तेजक, कफनिस्सारक, कृमिनाशक, मज्जा-तंतुओं के लिए बलदायी है।

(३) **पीपर** : रसायन, वीर्यवर्धक, मेध्य (बुद्धि को मेधावी बनानेवाला) व मस्तिष्क की दुर्बलता में उपयोगी है।

(४) **तुलसी बीज** : रसायन, बल्य, वीर्यवर्धक, कृमिनाशक, शुक्रधातु की क्षीणता में लाभदायी हैं।

(तुलसी गोली सभी संत श्री आशारामजी आश्रम तथा समितियों के सेवाकेंद्रों पर उपलब्ध हैं।)

(शेष भाग पढ़ने हेतु देखें लोक कल्याण सेतु अंक : १७९, मई २०१२)

पूज्य बापूजी के अवतरण दिवस पर बही सेवा की पावन गंगा

जबलपुर (म.प्र.) तथा ईडर (गुज.) के गरीबों में गर्म टिफिन, मिठाई व अन्य जीवनोपयोगी सामग्री का वितरण।

कूकनगर ग्रांट (उ.प्र.) तथा भवानीपटना (ओड़िशा) के गरीबों में अनाज, वस्त्र, बर्तन, चप्पलें आदि का वितरण।

अनगुल (ओड़िशा) तथा नाशिक (महा.) में पूज्य बापूजी के अवतरण दिवस के निमित्त गरीबों में भव्य भंडारे।

रामनगर, जि. आणंद (गुज.) में छाछ-वितरण तथा छतरपुर (म.प्र.) के मरीजों में फल-वितरण।

पूज्य बापूजी के अवतरण दिवस के उपलक्ष्य में देश भर में निकाली गयीं भव्य संकीर्तन यात्राओं की एक झलक

RNI No. 66693/97
RNP No. GAMC-1253-A/2012-14
Issued by SSP-AHD
Valid upto 31-12-2014
LWPP No. CPMG/GJ/45/2012
(Issued by CPMG GUJ. valid upto 30-06-2012)
Permitted to Post at AHD-PSO
from 18th to 25th of E.M.

चंडीगढ़

सुजानपुर (पंजाब)

कैथल (हरियाणा)

सीलन (हि.प्र.)

धुलिया (महा.)

उज्जैन (म.प्र.)

देश भर में संकीर्तन यात्राएँ निकाली गयीं लेकिन स्थानाभाव के कारण यहाँ कुछ ही अंश दिखा पा रहे हैं।
आश्रम के विभिन्न सेवाकार्यों की विस्तृत जानकारी हेतु आश्रम की वेबसाइट www.ashram.org देखें।

ॐ आनंद... ॐ आनंद... शुभ समाचार...

'लोक कल्याण सेतु' मासिक समाचार पत्र
का सदस्य बनना अब और भी आसान !
क्योंकि अब शुभारम्भ हो रहा है इसकी
वार्षिक एवं द्विवार्षिक सदस्यता का भी।

सदस्यता शुल्क :- वार्षिक : रु. ३०, द्विवार्षिक : रु. ५०, पंचवार्षिक : रु. ११०, आजीवन : रु. ३००
आज ही सम्पर्क करें : 'लोक कल्याण सेतु' कार्यालय, संत श्री आशारामजी आश्रम, अहमदाबाद-५.
दूरभाष : (०७९) ३९८७७७३९, २७५०५०१०-११.